

**Title:** Demanded Prime Minister's intervention regarding proper implementation of the Master Plan of Delhi and incorporating necessary changes in the Plan.

**श्री मदन लाल खुराना (दिल्ली सदर) :** अध्यक्ष महोदय, पिछली 26 जनवरी को गुजरात में एक प्राकृतिक भूकम्प आने के कारण भीण तबाही हुई लेकिन दिल्ली में मास्टर प्लान लागू करने के नाम पर पिछले कई महीनों से जो तबाही हो रही है, उसकी ओर सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हूँ। गुजरात की तबाही तो प्राकृतिक विपदा थी लेकिन दिल्ली की तबाही 'मैन मेड' है। इसलिये जब तक इस मास्टर प्लान को बदला नहीं जायेगा या इसमें संशोधन नहीं किया जायेगा, तब तक इस तबाही को रोकना मुश्किल है।

**SHRI S. JAIPAL REDDY :** Sir, I could not hear him properly. Is it man-made or Jagmohan-made?

**श्री मदन लाल खुराना (दिल्ली सदर) :** अध्यक्ष महोदय, यह दिल्ली का दुर्भाग्य है...

**अध्यक्ष महोदय :** खुराना जी, कल मेरे चैम्बर में मीटिंग हुई थी।

**श्री मदन लाल खुराना :** अध्यक्ष महोदय, मैं दिल्ली का दर्द सुनाने के लिये खड़ा हुआ हूँ। यह दिल्ली का दुर्भाग्य है कि लैंड और पुलिस दिल्ली सरकार के अधीन नहीं है। दुनिया में कहीं भी ऐसा शासन नहीं होगा जहाँ लैंड और पुलिस सरकार के अंडर न हो। केवल दिल्ली ही ऐसा राज्य है जहाँ लैंड और पुलिस इसके अंतर्गत नहीं आते। इसलिये डी.डी.ए. ही नीति तय करती है।

लेकिन जवाबदार सरकार होती है। जिसका परिणाम यह हुआ कि दिल्ली में जो अनअर्थोराइज्ड कालोनियां बनीं वे डी.डी.ए. के कारण बनीं, दिल्ली में घरों के बाहर तीन-चार लाख दुकानें बनीं, वे डी.डी.ए. के कारण बनीं, दिल्ली में इंडस्ट्रीज लगे तो डी.डी.ए. के कारण लगे। चूंकि जिस लैंड की जरूरत थी वह डी.डी.ए. ने सरकार को नहीं दी, वापिस ले ली। अध्यक्ष जी, मुझे याद हैं जब मैं दिल्ली का मुख्य मंत्री था, उस समय मैंने इन इंडस्ट्रीज के लिए लैंड ली। डी.डी.ए. ने अपने आप ही जो मास्टर प्लान बना, जो 1981 से लेकर 2001 का मास्टर प्लान है, आपको सुनकर ताज्जुब होगा यह मास्टर प्लान डी.डी.ए. ने 1990 में नौ साल के बाद बनाया और हमसे कहा जाता है कि नौ साल से मास्टर प्लान ही नहीं है। इसलिए मैं कहना चाहता हूँ कि जहां तक इंडस्ट्रीज का मामला है, कल यहां एक मीटिंग हुई थी, उसमें सभी दलों के नेता उपस्थित थे। उन सबका आग्रह था कि सबसे पहले पॉल्यूशन की परिभाषा तय होनी चाहिए। चूंकि पॉल्यूशन की परिभाषा तय न होने के कारण अफसर के मन में जो आता है वह कहीं भी सील कर देता है और जिससे पैसा मिलता है उसका सील नहीं होता है। मैं आरोप लगा रहा हूँ कि आज दिल्ली को बरबाद किया जा रहा है। पिछले चार महीनों से कहने को यह कहा जा रहा है कि हमने चार हजार को ही सील किया है, जबकि लगभग 20 से 25 लाख के बीच इंडस्ट्रीज को बंद किया गया है या सील किया गया है। जबकि सील के ऑर्डर गैरकानूनी हैं। इस बारे में दिल्ली हाइकोर्ट के ऑर्डर हैं कि इन्हें सील नहीं किया जा सकता, बंद किया जा सकता है। मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूँ कि यह सदन आपसे निवेदन करे कि आप प्रधान मंत्री जी से आग्रह करके इसके संबंध में एक मीटिंग बुलवायें, जिसमें दिल्ली की चार प्रॉब्लम्स हैं - दिल्ली में अनअर्थोराइज्ड कालोनियों को नियमित करना, दिल्ली में एक और मंजिल बनाने का फैसला, दिल्ली के अंदर घरों के बाहर तीन-चार लाख दुकानें हैं, जिन्हें नियमित करना और दिल्ली में इंडस्ट्रीज की प्रॉब्लम को हल करना, इन चार चीजों को करने के लिए मास्टर प्लान में संशोधन किया जाए। इसके बारे में सरकार ऐसी नीति बनाये और प्रधान मंत्री जी सभी पक्षों की मीटिंग बुलायें और उसमें इस पर फैसला करें, यही मेरा निवेदन है। **â€¦( व्यवधान)**

**डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) :** भारत सरकार के मंत्री अपनी तरफ से यह सब कर रहे हैं

**â€¦( व्यवधान)**

**MR. SPEAKER:** Shri Khurana has raised the issue. The Government is also going to respond to the matter. Please sit down. क्या आपको समाधान नहीं चाहिए?

...(Interruptions)

**SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY (CALCUTTA NORTH WEST):** Sir, Dr. Sengupta was the Secretary, Planning Commission. He would like to say two important things on this issue. Please allow him. ...*(Interruptions)*

**THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF INFORMATION TECHNOLOGY (SHRI PRAMOD MAHAJAN):** Sir, yesterday this issue was raised in the House. You were kind enough to call the Urban Development Minister and the leaders of this House. All of us had a long meeting. But, unfortunately, no satisfactory solution could be found out in that meeting. Yesterday, you had also told me that I should ask the Prime Minister to convene a meeting where the leaders, the Urban Development Minister and even some Delhi Government leaders can be present and sort out the matter. Now, Shri Khurana has made the same demand. So, I will bring it to the notice of the Prime Minister. According to the schedule which is available with the leaders and the Prime Minister, we will try to have this meeting as early as possible.

**MR. SPEAKER:** At that time Dr. Sengupta can speak. Today, I want to complete all the names. Please do not disturb me.